पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा आयोजित एयर रेड/ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज–2026 कार्यक्रम में सम्मिलित हुए, मॉक ड्रिल का अवलोकन किया

आपदा कभी बताकर नहीं आती, इसलिए उससे निपटने के लिए पहले से प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और जागरूक नागरिकों का मजबूत तंत्र तैयार करना आवश्यक : मुख्यमंत्री

नागरिक सुरक्षा संगठन की कार्यप्रणाली के पीछे निष्काम भाव से समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन की भावना निहित

वर्ष 1962 से लेकर वर्ष 2017 तक उ0प्र0 में यह संगठन केवल कुछ जनपदों तक सीमित था, प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से इसका विस्तार समस्त 75 जनपदों में करने का निर्णय लिया गया, 60 जनपदों में नागरिक सुरक्षा संगठन का विस्तार हो चुका

नागरिक सुरक्षा के 01 लाख से अधिक स्वयंसेवक सुरक्षा की अतिरिक्त दीवार, समाज की सामूहिक शक्ति के रूप में कार्य कर रहे

पुलिस, एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, पी0ए0सी0 की बाढ़ राहत इकाइयाँ और नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक मिलकर आपदा से होने वाली जन–धन की हानि को न्यूनतम करने में महत्वपूर्ण योगदान देते

विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और सामूहिक तैयारी से ही आपात परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सकता

लखनऊ : 22 नवम्बर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि नागरिक सुरक्षा का अर्थ है संकट की घड़ी में किसी नागरिक को अकेला न छोड़ना। जब कोई आपदा, दुर्घटना अथवा राष्ट्र के समक्ष कोई विपत्ति आती है, तब प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह सजगता, सतर्कता और साहस के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करे। आपदा कभी बताकर नहीं आती, इसलिए उससे निपटने के लिए पहले से प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और जागरूक नागरिकों का मजबूत तंत्र तैयार करना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री जी आज यहाँ रिजर्व पुलिस लाइन्स में नागरिक सुरक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित एयर रेड/ब्लैक आउट मॉक एक्सरसाइज–2026 कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने मॉक ड्रिल का अवलोकन किया। उन्होंने सिविल डिफेंस, एन0डी0आर0एफ0, उत्तर प्रदेश पुलिस बल, एस0डी0आर0एफ0 और अन्य सभी सम्बन्धित संस्थाओं को मॉक ड्रिल के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज आयोजित मॉक ड्रिल हमारी तैयारियों की परीक्षा है। इससे यह पता चलता है कि हमारी व्यवस्था कितनी तत्पर है और कहाँ सुधार की आवश्यकता है। आपदा के समय सही निर्णय, सही समय पर सूचना और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया अनेक नागरिकों के जीवन की रक्षा कर सकती है। नागरिक सुरक्षा संगठन की कार्यप्रणाली के पीछे निष्काम भाव से समाज और राष्ट्र के प्रति अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन की भावना निहित है। जब कोई व्यक्ति बिना स्वार्थ समाज और राष्ट्र की सेवा के संकल्प के साथ आगे आता है, तब वह प्राकृतिक, मानवीय अथवा अन्य किसी भी प्रकार की आपदा के समय फर्स्ट रिस्पॉण्डर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसके लिए साहस, अनुशासन और उचित प्रशिक्षण अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 1962 में भारत–चीन युद्ध के बाद तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए आम नागरिकों को जागरूक और प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से नागरिक सुरक्षा संगठन का गठन किया गया था। वर्ष 1962 से लेकर वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश में यह संगठन केवल कुछ जनपदों तक सीमित था। गत वर्ष ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारतीय सेना के पराक्रम और राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से नागरिकों की सहभागिता की आवश्यकता को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा से इसका विस्तार प्रदेश के समस्त 75 जनपदों में करने का निर्णय लिया गया।

प्रदेश के 60 जनपदों में नागरिक सुरक्षा संगठन का विस्तार हो चुका है। इन जनपदों में जिलाधिकारी नियंत्रक के रूप में कार्य कर रहे हैं। समस्त जनपदों में आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन भी पहुँचाए जा चुके हैं। प्रदेश में 1,01,362 स्वयंसेवक इस अभियान से जुड़ चुके हैं। नागरिक सुरक्षा के यह 01 लाख से अधिक स्वयंसेवक सुरक्षा की अतिरिक्त दीवार और समाज की सामूहिक शक्ति के रूप में कार्य कर रहे हैं।

आपदा आने के बाद प्रतिक्रिया देने से अधिक महत्वपूर्ण आपदा आने से पहले उसकी तैयारी करना है। हमारी तैयारी ऐसी होनी चाहिए कि प्रदेश का कोई भी जनपद, गाँव अथवा नगर निकाय इससे अछूता न रहे। इसके लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही अधिक से अधिक प्रशिक्षित स्वयंसेवक तैयार करने होंगे।

अब तक 1,08,627 नागरिकों, स्कूल–कॉलेजों के छात्र–छात्राओं, एन0सी0सी0, एन0एस0एस0 के कैडेट्स तथा होमगार्ड के जवानों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण का स्तर ऐसा होना चाहिए कि किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना करने के लिए हमारे स्वयंसेवक पूरी तरह तत्पर रहें और किसी भी घटना के कारण होने वाले नुकसान की सम्भावनाओं को न्यूनतम या शून्य तक पहुँचाने का प्रयास किया जा

सके। भारतीय सेना की गोरखा राइफल्स के अधिकारियों ने नागरिक सुरक्षा के मास्टर ट्रेनर्स को उच्चस्तरीय प्रशिक्षण प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विगत दिनों प्रदेश और देश में पर्वों एवं त्योहारों की लम्बी श्रृंखला रही। जब प्रदेश की 25 करोड़ जनता उत्साह और उल्लास के साथ अपने पर्वों को मना रही थी, उस समय पुलिस के जवान और होमगार्ड के जवान पूरी तत्परता एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे थे। इसी प्रकार प्रदेश में बाढ़ अथवा अन्य किसी संकट की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस, एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, पी0ए0सी0 की बाढ़ राहत इकाइयाँ और नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवक मिलकर परिस्थितियों का सामना करते हैं तथा आपदा से होने वाली जन–धन की हानि को न्यूनतम करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। विगत साढ़े नौ वर्षों में इन सभी क्षेत्रों में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। इससे आम नागरिक का विश्वास मजबूत हुआ है। इस विश्वास को और सशक्त बनाने के लिए नियमित रूप से मॉक ड्रिल आयोजित करना आवश्यक है।

लखनऊ की भांति प्रदेश के प्रत्येक जनपद में अलग–अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाए। बाढ़ की स्थिति, भूकम्प, आग लगने की घटना, आतंकी घटना अथवा देश और प्रदेश के सामने युद्ध जैसी आपात परिस्थितियों में किस प्रकार की तैयारी होनी चाहिए, इसका नियमित अभ्यास कराया जाए। इन सभी परिस्थितियों से निपटने के लिए नागरिक सुरक्षा के स्वयंसेवकों के साथ एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0, उत्तर प्रदेश पुलिस, पी0ए0सी0 और होमगार्ड के जवानों का भी नियमित प्रशिक्षण होना चाहिए। विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और सामूहिक तैयारी से ही आपात परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सकता है।

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने नागरिक सुरक्षा संगठन की उपयोगिता को समझते हुए इसे 15 जनपदों की 17 इकाइयों से पूरे प्रदेश में विस्तारित किया है। मुख्यमंत्री जी प्रदेश के प्रत्येक नागरिक और परिवार की सुरक्षा एवं कल्याण के प्रति सदैव चिन्तित रहते हैं। प्रदेश में वर्तमान में 1,01,362 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक कार्यरत हैं तथा इस वर्ष 1,08,627 नागरिकों को आपदा प्रबन्धन का प्रशिक्षण दिया गया है।

इस अवसर पर सांसद श्री बृज लाल, विधायक डॉ0 नीरज बोरा, श्री अमरेश कुमार, लखनऊ की महापौर श्रीमती सुषमा खर्कवाल, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कृष्ण, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री, गृह एवं सूचना श्री संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव नागरिक सुरक्षा श्रीमती संयुक्ता समद्दार तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Nagrik Suraksha Mock Drill-Police Lines Lucknow-22 November, 2026